रजिस्ट्री सं. डी. (डी. एन.)-72 REGISTERED No. D. (D.N.) 72

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 314] नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 5, 1986/श्रावण 14, 1908
No. 314] NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 5, 1986/SRAVANA 14, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1986

आदेश

का. आ. 459 (अ).—हथकरघा (उत्पादनार्थ वस्तु आरक्षण) अधिनियम, 1985 (1985 के 22) की धारा-3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सलाहकार समिति द्वारा की गई सिफारिशों पर विचार करने के पश्चात कि हथकरघा उद्योग के संरक्षण और विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार वस्त्र मंत्रालय के आदेश संख्या एस. ओ. न. 99 (ई) दिनांक 11 मार्च, 1986 का अधिक्रमण करते हुए तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित तालिका में वर्णित वस्तुओं अथवा वस्तुओं की श्रेणी का उत्पादन केवल हथकरघों द्वारा आरक्षित करने का निर्देश देती है:— अर्थात्

तालिका

क्रम सं.	वस्तु	हथकरघों द्वारा उत्पादन हेतु आरक्षित क्षेत्र
1	2	3
1.	साड़ी	साड़ी सफेद अथवा विरंजित अथवा कुछ रंगे अथवा अतिरिक्त में अथवा अतिरिक्त बाने के साथ रंगे हुए सूत से बुना हुआ ऐसा कपड़ा है, जिसमें निम्नलिखित संयुक्त विशेषताएं भी हैं:— (1) इसे बार्डर (पल्लू) और/अथवा रंगीन सूत अथवा सफेद (ये) अथवा विरंजित सूत अथवा जरी अथवा अन्य धात्विक/धातु को तह चढ़े सूत अथवा इन सभी के मिश्रित सूत के शीर्ष भाग की बुनाई की विलक्षणता में पहचाना जा सकता है; (2) इसकी चौड़ाई 70 से. मी. से 140 से. मी. (किनारे सहित) के बीच होती है; (3) इसकी लम्बाई 2.5 मीटर से 9.5 मीटर के बीच होती है;

1	2	3

(4) इसे सामान्यतः देश के अलग-अलग भागों में अलग-अलग नामों से प्रसिद्ध नाम से जाना जाता है; और

(5) इसे किसी भी प्राकृतिक अथवा मानव निर्मित सूत अथवा दोनों के किसी मिश्रण से निर्मित किया जाता है।

(क) जो साड़ियां 100 प्रतिशत सिंथेटिक सूत अर्थात पोलियस्टर, नाइलोन सूत आदि अथवा इनके किसी मिश्रण से तैयार की जाती हैं उनके लिए ये आदेश लागू नहीं होंगे।

(ख) जो मिश्रित अथवा संयोजित साड़ियां 45 प्रतिशत (भार में) से अधिक मानव निर्मित फाइबर यार्न (विस्कोस यार्न सहित) से कृत्रिम अथवा मानव निर्मित रेशे/यार्न के मिश्रण से तैयार की जाती हैं उनके लिए यह नियम लागू नहीं होंगे।

बोर्डर (किनारा)

बोर्डर को रेशम, जरी तथा अन्य किसी धात्विक/धातु की तह चढ़े धागे सहित सफेद विरंजित, चिकने और/अथवा रंगीन धागे से लम्बाई में किनारे के बिल्कुल समीप बुने गए कपड़े के मुख्य भाग से अलग बुने किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

हैडिंग/क्रास बोर्डर/पल्लू

इसको रेशम, कृत्रिम रेशम, जरी अथवा अन्य किसी धात्विक धातु की तह चढ़े धागे सहित सफेद, विरंजित, चिकने अथवा रंगीन धागे से चौड़ाई में बुने गए कपड़े के मुख्य भाग से अलग बुने गए किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण 1

अतिरिक्त ताने/अतिरिक्त बाने की परिभाषा इस प्रकार है—ताने के सिरे/बाने के पिक्स का वह समूह जो कपड़े के मुख्य भाग को बनाने में भाग लिये बिना डिजायन बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। अतिरिक्त ताने के सिरे/बाने के पिक्स बुनाई के दौरान अतिरिक्त हील्डस, डोबी, जैकार्ड अथवा किसी अन्य साधन अथवा संसाधनों के माध्यम से सम्मिलित किये जा सकते हैं।

2. कोटा डोरिया साड़ी

कोटा डोरिया साड़ी सफेद अथवा विरंजित बुना हुआ सादा कपड़ा है जिसकी निम्नलिखित संयुक्त विशेषताएं हैं :—

(1) इसे पूर्ण रूप से सूती अथवा सूती प्रधानता के साथ-साथ रेशम सहित किसी अन्य रेशे के मिश्रण से तैयार किया जाता है।

(2) इसमें ताने अथवा बाने और दोनों धागों को समावेश भरकर डोरी का रूप दिया जाता है अथवा विभिन्न काउंटो के धागे का प्रयोग करके ताने अथवा बाने को और धारीदार नमूना बनाया जाता है।

(3) इसकी (किनारे सहित) चौड़ाई 90 से. मी. से 140 से. मी. के बीच होती है।

(4) इसकी लम्बाई 5 मीटर से 8.5 मीटर के बीच होती है।

(5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है।

3. बांधन और रंजित साड़ी और रंजित सामान

बांधनू रंजित और कपड़ा, सूत को विभिन्न रंगों में रंग कर के प्रत्येक रंग के सूत को ताने वार और बाने वार गांठ लगाकर बनाया जाता है। इसे रेशम सहित किसी भी रेशे अथवा रेशों को मिलाकर बनाया जाता है।

4. धोती

धोती बोर्डर और बोर्डर में अधिक ताने सहित एक अथवा विरंजित सफेद सादा बुना हुआ कपड़ा है। इसकी संयुक्त विशेषताएं इस प्रकार हैं :—

(1) इसे किसी भी प्राकृतिक रेशे अथवा मानव निर्मित रेशे अथवा दोनों के मिश्रण से बनाया जाता है;

(2) इसे बुने हुए बोर्डर और/अथवा शीर्ष में, सफेद अथवा रंगीन सूत अथवा जरी अथवा कोई अन्य धात्विक/धातु की तह चढ़े सूत अथवा इस सब के मिश्रण का प्रयोग किया जाता है;[1]

(3) इसकी (किनारे सहित) चौड़ाई 70 से. मी. से 140 से. मी. होती है;

(4) इसकी लम्बाई 1.5 मीटर से 5 मीटर के बीच होती है; और

(5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है।

(क) जो धोतियां 100 प्रतिशत सिंथेटिक सूत अर्थात पोलियस्टर, नाइलोन सूत आदि अथवा इनके किसी मिश्रण से तैयार की जाती हैं उनके लिये ये आदेश लागू नहीं होंगे।

(ख) जो मिश्रित अथवा संयोजित साड़ियां 45 प्रतिशत (भार में) से अधिक मानव निर्मित फाइबर यार्न जो (विस्कोस यार्न सहित) से कृत्रिम अथवा मानव निर्मित रेशे/यार्न के मिश्रण से तैयार की जाती हैं उनके लिये यह आदेश लागू नहीं होंगे।

1	2	3
		बोर्डर (किनारा) बोर्डर को रेशम, कृत्रिम रेशम, जरी अथवा अन्य किसी धात्विक/धातु की तह चढ़े धागे सहित विरंजित, चिकने और/अथवा रंगीन धागे से लम्बाई में और किनारे के बिल्कुल समीप बुने गए कपड़े के मुख्य भाग से अलग बुने गए किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। हैडिंग/क्रास बोर्डर इसको रेशम, कृत्रिम रेशम, जरी अथवा अन्य किसी धात्विक/धातु की तह चढ़े धागे सहित सफेद, विरंजित, चिकने अथवा रंगीन धागे से चौड़ाई में बुने गए कपड़े के मुख्य भाग से अलग बुने गए किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। स्पष्टीकरण: अतिरिक्त ताने/अतिरिक्त बाने की परिभाषा इस प्रकार है—ताने के सिरे/बाने के पिक्स का वह समूह जो कपड़े के मुख्य भाग को बनाने में भाग लिये बिना डिजायन बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। अतिरिक्त ताने के सिरे/बाने के पिक्स बुनाई के दौरान अतिरिक्त हील्डस डोबी, जैकार्ड अथवा किसी अन्य साधन अथवा यंत्रावली के माध्यम से सम्मिलित किये जा सकते हैं।
5. गमछा और अंग वस्त्र		(क) गमछा: गमछा एक ऐसा कपड़ा है जिसे शरीर के ऊपरी हिस्से को ढकने के लिए प्रयोग किया जाता है और इसे तौलिए व सिर को ढकने के काम में भी लिया जाता है। इसे सफेद अथवा विरंजित अथवा दोनों के मिश्रित केवल सूती सूत से ढीली बुनाई से तैयार किया जाता है इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं:— (1) इसकी चौड़ाई 70 से. मी. से 95 सें.मी. के बीच होती है; (2) इसकी लम्बाई 1 मीटर से 1.62 मीटर के बीच होती है। (ख) अंगवस्त्र: अंगवस्त्र सफेद अथवा विरंजित एक ऐसा कपड़ा है जिसके बोर्डर और बोर्डर में अतिरिक्त ताने कर सादी बुनाई की जाती है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित है:— (1) इसे किसी प्राकृतिक अथवा मानव निर्मित रेशे रेशम सहित (स्पन रेशम को छोड़कर) अथवा इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है; (2) इसके बुने हुए बोर्डर और/अथवा शीर्ष में सफेद अथवा रंगीन सूत अथवा जरी अथवा कोई अन्य धात्विक धातु की तह चढ़े सूत अथवा इन सब के मिश्रण का प्रयोग होता है; (3) (किनारे सहित) इसकी चौड़ाई 70 से.मी. से 100 से. मी. के बीच होती है; (4) इसकी लम्बाई 1.5 मीटर से 3.00 मीटर के बीच होती है; और (5) सामान्यतः इसे इसी नाम से जाना जाता है।
6. लुंगी .		लुंगी एक कारखानों के डिजाइन वाला रंगीन धागों से सादी बुनाई किया गया कपड़ा है जो टुकड़ों में मिलता है। इसकी मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:— (1) इसे किसी भी प्राकृतिक रेशे अथवा मानव निर्मित रेशे रेशम रेशे सहित (स्पन रेशम को छोड़कर अथवा) दोनों के मिश्रण से बनाया जाता है; (2) इसमें बोर्डर हो भी सकता है अथवा नहीं भी हो सकता; (3) इसकी चौड़ाई 70 सें.मी. से 140 स.मी. के बीच होती है; (4) इसकी लम्बाई टुकड़ों में 1.5 मी. से 2.5 मी. के बीच होती है; और (5) इसे सामान्यतः लुंगी, सरोंग, कैलिंज मुंड्स, बचखानाज और पच्योडि जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। जो लुंगी 100 प्रतिशत सिंथेटिक सूत अर्थात पोलियस्टर, नाइलोन सूत आदि अथवा इनके किसी मिश्रण से तैयार की जाती है उनके लिए ये आदेश लागू नहीं होंगे।
7. कमीज का कपड़ा :		कमीज का कपड़ा एक ऐसा कपड़ा है जो सफेद अथवा रंगीन सूत द्वारा कारखानों के डिजाइन में पूर्ण रूप से सूत से बनाया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित है:— (1) इसे निरन्तर लम्बाई में तैयार किया जाता है; और (2) इसकी चौड़ाई 70 सें.मी. से 130 सें.मी. के बीच होती है।
8. क्रेप वस्त्र :		क्रेप एक ऐसा वस्त्र है जिसे ताने अथवा बाने अथवा दोनों में अथवा सामान्य ऐंठे गए सूत के मिश्रण में अच्छी तरह ऐंठे हुए सूती बाने द्वारा तैयार किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित है:— (1) इसे निरन्तर लम्बाई में तैयार किया जाता है; (2) इसकी सतह सिलवट वाली सिकुड़न वाली अथवा दानेदार होती है; (3) इसे सफेद अथवा विरंजित अथवा रंगीन किस्मों में तैयार किया जाता है; और (4) इसकी चौड़ाई 70 सें.मी. से 130 सें.मी. के बीच होती है।

1	2	3
9. तौलिए:		तौलिया बोर्डर अथवा शीर्ष सहित कपड़े का एक ऐसा टुकड़ा है जिसे सादी चटाई टुइल, छत्ते, हक-बेक अथवा इन सबके मिश्रण से बुना जाता है। जिसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित है :— (1) इसे सूत अथवा सूत के मिश्रण के साथ अन्य रेशों को मिलाकर तैयार किया जाता है ; (2) इसे अलग-अलग आकारों में तैयार किया जाता है ; (3) यह सफेद अथवा रंगीन हो सकता है; और (4) जैकार्ड पर तैयार किए गए तौलिए सुन्दर डिजाइन वाले हो सकते हैं ; (5) मैंट बुनाई के साथ तैयार किया गया तौलिया सामान्यतः केरल में आरथा थोरथू और तमिलनाडु में आरथा कुन्डू के नाम से जाना जाता है।
10. खेस' पलंग की चादर बैड कवर पलंग पोस और (दीवारदरी सहित) साज/सज्जा का सामान		खेस एक ऐसा कपड़े का टुकड़ा है जिसे सफेद अथवा विरंजित अथवा रंगीन सूत के साथ सादा अथवा धारियों में चारखाने वाले डिजाइनों में डबल क्लाथ बुनाई जिसमें काउंटों की सीमा ताने में 2/17 एस. से 2/22 एस और बाने में 8 एस. से 12 एस होती है में बुना जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं:— (1) इसे पूर्ण रूप से सूती, कृत्रिम रेशम अथवा इन के मिश्रण से तैयार किया जाता है ; (2) इसकी चौड़ाई 75 सें.मी. से 225 सें.मी. के बीच होती हैं ; (3) इसकी लम्बाई, 1.50 मीटर से 2.8 मी. के बीच होती है; और (4) सामान्यतः इसे इसी नाम से जाना जाता है। (ख) पलंग की चादर : पलंग की चादर कपड़े का एक ऐसा टुकड़ा है जिसे बोर्डर में लम्बाईवार और चौड़ाई-वार रंगीन सूत से बुना जाता है। और इसे पलंग पर बिछाया जा सकता है और इसमें पलंग की चादरें शामिल हैं। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं। (1) इसे पूर्ण रूप से सूती, कृत्रिम रेशम अथवा इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है ; (2) इसे साटन सहित, डाबी अथवा जैकार्ड सहित अथवा रहित बुनाईयों के मिश्रण से तैयार किया जा सकता है ; (3) इसकी चौड़ाई 110 से. मी. से 155 से. मी. के बीच होती है; (4) इसकी लम्बाई 1.5 मीटर से 2.8 मीटर के बीच होती है; और (5) इसे सामान्यत : इसी नाम से जाना जाता है।
10.		(ग) बैड कवर : बैड-कवर एक ऐसा कपड़ा है जिसे सफेद अथवा विरंजित अथवा रंगीन धागों से वनस्पतीय अथवा ज्यामितीय डिजाईनों में चारखानों बार्डर और अथवा शीर्ष सहित अथवा रहित अथवा रंगीन बुना होता है। बैड जब प्रयोग में न लाया जा रहा हो तो उसे ढकने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषतायें निम्नलिखित है :— (1) इसे पूर्ण रूप से सूती कृत्रिम रेशम अथवा इसके मिश्रण से तैयार किया जाता है ; (2) इसे साटन सहित, डाबी अथवा जैकार्ड सहित अथवा रहित बुनाईयों के मिश्रण से तैयार किया जा सकता है ; (3) इसकी चौड़ाई 75 से. मी. से 225 सें० मी. के बीच होती है ; (4) इसकी लम्बाई 1.5 मीटर से 2.8 मीटर के बीच होती है ; और (5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है।
10.		(घ) पलंग-पोस पलंग पोस एक ऐसा कपड़ा है जिसे सफेद अथवा विरंजित अथवा रंगीन धागे से स्ट्रपों सहित अथवा रहित अथवा चारखानों अथवा वनस्पतीय अथवा ज्यामितीय डिजाईनों में बार्डर और/ अथवा 'शीर्ष में उभरी आकृतियों में बुना जाता है। बैड को बाहर से ढकने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित है :— (1) इसे पूर्ण रूप से सूती, कृत्रिम रेशम अथवा इसके मिश्रण से तैयार किया जाता है ; (2) इसे साटन सहित, डाबी अथवा जैकार्ड सहित अथवा रहित बुनाईयों के मिश्रण से तैयार किया जा सकता है ; (3) इसकी चौड़ाई 75 सें० मी. से 225 से. मी. के बीच होती है ;

1	2	3
		(4) इसकी लम्बाई 1.50 मीटर 2.8 मीटर के बीच होती है; और (5) इसे सामान्यत : इसी नाम से जाना जाता है। कुछ क्षेत्रों में इसे "कैंडल विक" के नाम से भी जाना जाता है।
10.		(क) (दीवार दरी सहित) साज सज्जा का सामान — (दीवार दरी सहित) साज-सज्जा का सामान एक ऐसा कपड़े का टुकड़ा है जिसे सफेद अथवा विरंजित अथवा रंगीत धागे से और दोहरे कपड़े की बुनाई अथवा पीक बुनाई में बुना जाता है इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित है :— (1) इसे पूर्ण रूप से सूती, कृत्रिम रेशम अथवा इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है ; (2) इसकी चौड़ाई 75 से. मी. से 225 से. मी. के बीच होती है ; (3) इसे निरन्तर लम्बाई में तैयार किया जाता है ; (4) इसका प्रयोग साज-सज्जा के लिए किया जाता है।
11. टेबल क्लोथ टेबल मैट और नेपकिन्स		इसे या तो विरंजित अथवा रंजित धागे से किसी भी पद्धति से बुना जाता है और इसे पूर्ण रूप से सूती अथवा कृत्रिम रेशम अथवा इन के मिश्रण से तैयार किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित है। (1) इसे अलग-अलग आकारों में तैयार किया जाता है ; (2) इसके किनारे हो भी सकते हैं नहीं भी हो सकते ; (3) इसके चारों तरफ बुने हुए बोर्डर होते हैं; और (4) इसे सामान्यत: टेबल क्लाथ, टबल मेट और नेपकिन जैसे अलग-अलग नामों से जाना जाता है।
12. डस्टर और डस्टा		डस्टर एक ऐसा कपड़ा है जिसे मोटे धागे से, 10 एस. काउंट से अधिक नहीं। (10 एस. तक रिसल्टेंट काउंट सहित) सादे अथवा टुइल रूप से बुना जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित है :— (1) इसे पूर्ण रूप से सूत से तैयार किया जाता है ; (2) इसके सभी तरफ बोर्डर हो भी सकता है नहीं भी हो सकता ; (3) इसे अलग-अलग आकारों में तैयार किया जाता है और यह निरन्तर लम्बाई में हो सकता है; और (4) इसका प्रयोग झाड़ने और डस्टा बनाने के लिए किया जाता है।
13. चादर		चादर का अर्थ ऐसे कपड़े के टुकड़े से है जिसका शाल की तरह शरीर ढकने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसे सफेद विरंजित अथवा रंगीन सूत अथवा मिश्रित धागे से तैयार किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित है :— (1) इसे चारखाने अथवा स्ट्रप पद्धति से बुना जाता है। इसमें पूर्वोत्तर भारत में बार्डर और क्रास बार्डर सहित अलंकरित डिजाईनों में तैयार मेखला अथवा फेनेक चादर भी शामिल है।
14. जामाकालम दरी अथवा टुररेट		यह एक ऐसा कपड़ा है जिसका प्रयोग फर्श ढकने के लिए दरी अथवा टुररेट के रूप में किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित है :— (1) इसे तैयार करने के लिए ताने और बाने दोनों 4 एस से 12 एस. की रेंज के बहुत मोटे रिजल्टेंट काउंट का प्रयोग किया जाता है ; (2) इसे सादी अथवा टुइल-इनके संशोधनों सहित, बुनाई में अथवा सादी और टूईल दोनों की मिश्रित बुनाई में अथवा वेल्वेट तकनीक में अथवा शमील तकनीक में बुना जाता है; (3) इसे सफेद अथवा विरंजित अथवा रंजित सूती अथवा कृत्रिम रेशमी अथवा ऊनी धागे सहित दोनों के मिश्रण से तैयार किया जाता है; इसे दोनों रंग में तैयार किया जाता है ; (4) इसमें अतिरिक्त ताना अथवा अतिरिक्त बाना हो भी सकता है और नहीं भी हो सकता ; (5) किनारों के सिरों को मोटा दोहरा करके मोटे किनारे प्राप्त किए जाते हैं और यही इसकी विशेषताएं ; (6) इसे अलग-अलग आकारों में बनाया जाता है और इसे सामान्यत: अलग-अलग क्षेत्रों में जामाकालम, दरी, टुररेट, आदि जैसे अलग-अलग नामों से जाना जाता है।
15. बकम कपड़ा:		बकम कपड़ा एक ऐसा कपड़े का टुकड़ा है जिसे मोटे धागे से बुना जाता है। शर्ट कोट, आदि के कालरों में पेडिंग अथवा लाईनिंग के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित है :— (1) इसे सूत, ऊन जूट अथवा मिश्रण से तैयार किया जाता है; और

1	2	3
		(2) इसे ताने और बाने में 8 एस. से 12 एस. के काउंटों में तैयार किया जाता है।
16.	मशरू कपड़ा	मशरू कपड़ा रेशमी अथवा रेयन ताने और सूती बाने सहित साटिन में बुना हुआ एक प्रकार का कपड़ा है। रंगीन स्ट्रिपें इसकी विशेषता है।
17.	लो रीड पिक :	सभी लो रीड कपड़ा सूती में तैयार किया जाता है और इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—
		(1) क्रमश : 36 और 32 से कम रीडों और पिकों सहित ग्रुप–3 में कपड़ा
		(2) क्रमश : 40 और 36 से कम रीडों और पिकों सहित ग्रुप 4,5 और 6 में कपड़ा ;
		(3) क्रमश : 44 और 40 से कम रीडों और पिकों सहित ग्रुप 7 और ऊपर में कपड़ा;
		(4) इस दिशा में इसके लिए कुछ भी लागू नहीं होगा :—
		(क) धोती और साड़ी;
		(ख) सुसीज
		(ग) मच्छर दानी का कपड़ा;
		(घ) लम्बा कपड़ा ;
		(ङ) जालीदार कपड़ा।
		(च) रंजित और छपा हुआ कपड़ा; और
		(छ) कोटि वस्त्र
		स्पष्टीकरण
		ऊपर उल्लिखित अभिव्यंजना ग्रुप अथवा ग्रुपों का अर्थ नीचे अनुसूची में विशेष कृत कपड़ा ग्रुप अथवा ग्रुपों से है।
		स्पष्टीकरण
		रीड्स और पिक्स अभिव्यंजना का अर्थ क्रमश : प्रति इंच सिरे और प्रति इंच पिक्स से है।

अनुसूची

ग्रुप	मूलभूत काउंट		अनुज्ञेय काउंट	
	ताना	बाना	ताना	बाना
1.	14	10	9–14	9–12
2.	14	14	12–16	13–16
3.	20	20	17–21	17–24
4.	22	30	22–25	25–34
5.	30	30	26–36	26–34
6.	30	40	35–42	35–42
7.	40	40	35–42	35–42

1	2	3
18.	रेशम	(क) किसी भी द्रव्यात्मक पदार्थ जिसमें भार में 25 प्रतिशत से अधिक शुद्ध रेशम हो अथवा बोर्डर/पल्लू सहित अन्य रेशों के मिश्रण से बनी सभी रेशम की साड़ियें जिसमें बोर्डर / पल्लू अथवा वस्त्र के अन्य किसी भाग में अतिरिक्त ताना अथवा अतिरिक्त बाना हो अथवा न भी हो । इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित है :—
		(1) इसे बार्डर (पल्लू) और / अथवा रंगीन सूत अथवा सफेद (ग्रे) अथवा विरंजित सूत अथवा जरी अथवा अन्य धात्विक/धातु की सहचढ़े सूत अथवा इन सभी के मिश्रित सूत के शीर्ष भाग की बुनाई की विलक्षणता में पहचाना जा सकता है :
		(2) इसकी चौड़ाई 70 से. मी. से 140 से. मी. (किनारे सहित) के बीच होती है।
		(3) इसकी लम्बाई 2.5 मीटर से 9.5 मीटर के बीच होती है।
		(ख) किसी भी द्रव्यात्मक पदार्थ जिसमें भार में 25 प्रतिशत से अधिक शुद्ध रेशम हो अथवा बोर्डर / शीर्ष सहित अन्य रेशों के मिश्रण से बनी सभी रेशम की साड़ियां जिसमें बोर्डर शीर्ष अथवा वस्त्र के अन्य किसी भाग में अतिरिक्त ताना अथवा अतिरिक्त बाना हो अथवा न भी हो । इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित है :—
		(1) इसके बुने हुए बोर्डर और अथवा शीर्ष में ग्रे अथवा विरंजित अथवा रंगीन सूत अथवा जरी अथवा कोई अन्य धात्विक/धातु के सहचढ़े सूत अथवा इन सबके मिश्रण का प्रयोग किया जाता है।
		(2) इसकी (किनारे सहित) चौड़ाई 70 सें. मी. से 140 से. मी. के बीच होती है ;
		(3) इसकी लम्बाई 1.5 मीटर से 5 मीटर के बीच होती है ;
		नोट(क) जोरजेट, सिफौन और क्रेप साड़ी और धोतियां जब कपड़े के मुख्य भाग में अविरंजित (ग्रे) रेशम के धागे के प्रयोग से बनाई गई हो और बोर्डर पल्लू में अतिरिक्त ताने और अतिरिक्त बाने सहित अथवा कपड़े के किसी भी मुख्य भाग (में बोर्डर पल्लू सहित) जारी धात्विक सूत अथवा अन्य किसी रंगीन रेशे, का प्रयोग केवल अतिरिक्त ताने या अतिरिक्त बाने का प्रयोग किया गया हो उन पर यह आदेश लागू नहीं होंगे।

1	2	3
		(ख) स्पन सिल्क के प्रयोग से तैयार की गई साड़ियों और धोतियों के लिए ये आदेश लागू नहीं होंगे।
		बोर्डर (किनारा)
		बोर्डर को रेशम, कृत्रिम रेशम, अथवा अन्य किसी धात्विक / धातु की तरह चढ़े धागे सहित सफेद विरंजित चिकने / अथवा रंगीन धागे से लम्बाई में किनारे के बिल्कुल समीप बुने गए कपड़े के मुख्य भाग से अलग बुने गए किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
		हैडिंग/क्रास बोर्डर/पल्लू,
		इसको रेशम कृत्रिम रेशम, जारी अथवा अन्य किसी धात्विक/धातु की तह चढ़े धागे सहित सफेद, विरंजित, चिकने अथवा रंगीन धागे से चौड़ाई में बुने कपड़े के मुख्य भाग से अलग बुने गए किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
		स्पष्टीकरण:—
		अतिरिक्त ताने / अतिरिक्त बाने की परिभाषा इस प्रकार है— ताने के सिरे / बाने के पिक्स का वह समूह जो कपड़े के मुख्य भाग को बनाने में भाग लिये बिना डिजायन बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। अतिरिक्त ताने के सिरे/बाने के पिक्स बुनाई के दौरान अतिरिक्त बीम्स, डोबी जैकार्ड अथवा किसी अन्य साधन अथवा प्रणाली के माध्यम से सम्मिलित किये जा सकते हैं।
19.	कम्बल अथवा कम्बली	ऊनी कम्बल अथवा कम्बली की रेशेदार सतह होती है और इसे ऊन के बने मोटे कपड़े से मीलिंग और रेजिंग द्वारा तैयार किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं:— (1) ऊनी कम्बल अथवा कम्बली हाथ से कते, मिल के कते, बदनरीन ऊन अथवा किसी मिश्रित धागे से सादे, स्ट्रिप अथवा चारखाने के डिजाईनों में तैयार किया जाता है। (2) इसे औसत 34 माईक्रोन की उन और परिष्कृत की गई मोटी ऊन जिसका वजन 300-450 ग्राम वर्ग मीटर है के प्रयोग से तैयार किया जाता है। (3) शाडी ऊनी धागे के प्रयोग से तैयार की गई कम्बली इसमें शामिल नहीं होंगी।
20.	बेरक कम्बल	बेरक कम्बल औसत 34 माईक्रोन और उससे मोटे ऊनी धागे से बना रेशेदार सतह वाला मोटा कपड़ा है जिससे मीलिंग और रेजिंग द्वारा तैयार किया जाता है इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं:— (1) ऊनी कम्बल हाथ से कते, मिल से कते, प्राकृतिक सफेद/काली ऊन के ऊनी धागे अथवा रेशों के साथ इस ऊन को मिला कर तैयार किया जाता है, और (2) इसे किसी भी आकार और बुनाई में तैयार किया जाता है; (3) शाडी ऊनी यार्न से निर्मित बेरक कम्बल पर यह आदेश लागू नहीं होंगे।
21.	शाल, लोई, मफलर, पंखी, आदि	शाल एक ऐसे कपड़े का टुकड़ा है जिसे बदनरीन अथवा ऊनी अथवा कैशमिलान अथवा अन्य किसी रेशे से बुना जाता है। महिलाओं अथवा पुरुषों द्वारा अपने शरीर को ढकने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इसे कंधे के ऊपर ओढ़ा जाता है और इसमें कोई सिलाई प्रक्रिया निहित नहीं है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं:— (1) इसे किसी भी रेशे के प्रयोग से डिजाईनों में तैयार किया जाता है जिसमें अतिरिक्त बाना हो भी सकता है अथवा नहीं भी हो सकता। (2) इसे किसी भी प्रकार के ऊनी धागे, बदनरीन धागे अथवा मिश्रित धागे और इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है; (3) इसे किसी भी धागे के काउंट से तैयार किया जाता है; (4) इसे किसी भी लम्बाई, चौड़ाई और वजन में तैयार किया जाता है; और (5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है। शाल में लोई, पंखी के साथ-साथ मफलर भी शामिल है। इसमें कुल्लू, किन्नौरी, कानी, पशमीना, धोरी, लिराचू (तिब्बती) सोर्से, आदि परम्परागत शालें भी शामिल हैं।

22. ऊनी कपड़ा : यह एक ऐसा कपड़े का टुकड़ा है जिसे 100 प्रतिशत शुद्ध ऊनी धागे से तैयार किया जाता है। इसे कोट, जैकेट और पहनने के कपड़े बनाए जाते हैं। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

(1) इसे ताने और बाने में 7 एन. एन. से 9 एन. एम. काउंट से तैयार किया जाता है :—

(2) इसे किसी भी लम्बाई और चौड़ाई से तैयार किया जाता है;

(3) इसे करघाने अथवा स्ट्रिप डिजाइन में तैयार किया जाता है; और

(4) इसे ट्वील बुनाई में तैयार किया जाता है।

[संख्या डी. सी. एच. एन्फोर्स/1(2)/86]

चरण दास चौमा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF TEXTILES

ORDER

New Delhi, the 4th August, 1986

S.O. 459(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Handlooms (Reservation of Articles for Production) Act, 1985 (22 of 1985), the Central Government being satisfied after considering the recommendations made to it by the Advisory Committee that it is necessary so to do for the protection and development of the Handloom Industry, hereby directs that in supersession of the Order No. S.O. 99(E), dated the 11th March, 1986 of the Government of India in the Ministry of Textiles and with immediate effect, the articles of class or articles specified in the table below shall be reserved for exclusive production by Handlooms, namely :—

TABLE

Sr. No.	Item	Range reserved for production by Handlooms
1.	Saree	Saree is a cloth in any weave either in grey or bleached or piece dyed or woven with coloured yarn with extra warp or extra weft, which is also jointly characterised by the following :— (i) is characterised by its woven borders and/or headings containing coloured yarn or grey or bleached yarn or zari or any other metallic/metallised yarn or a combination of these; (ii) has width ranging between 70 cms and 140 cms (inclusive of selvedges); (iii) has a length ranging from 2.5 metres to 9.5 metres; (iv) is commonly known by that name/distinguished by different names in different parts of the country; and (v) is made from any natural or man-made fibre or in any combination thereof. (a) Nothing in this direction will apply to Sarees made-out of 100% synthetic fibre i.e., Polyester, Nylon, yarn etc. or in any combination thereof. (b) Nothing in this direction will apply to sarees made in blends or union with more than 45% by weight of man-made fibre-yarn (including viscose rayon) in combination with any natural or man made fibre/yarn.
	Border	Border may be defined as any pattern different from that of the body of the fabric woven lengthwise close to the selvedges using grey, bleached, mercerised and/or coloured yarn including silk, art silk, zari or any other metallic/metallised yarn. Heading/Cross Border/Pallav Can be defined as any pattern different from that of the body of the fabric woven width-wise with grey, bleached, mercerised or coloured yarn including silk, art silk, zari or any other metallic/metallised yarn. Explanation I Extra Warp/Extra Weft may be defined as the group of warp ends/Weft picks which are used for obtaining design effect, without taking part in forming the ground or body of the fabric. The extra warp ends/weft picks may be inserted during weaving by employing additional healds, dobby, jacquard or by any means or mechanism.
2.	Kotah Doria Saree :	Kotah Doria Saree is a plain woven cloth either grey or bleached which is also jointly characterised by the following :— (i) is manufactured wholly from cotton or predominently cotton alongwith combination of any other fibre including silk; (ii) has corded effect obtained by cramming either the warp or weft threads or both or by using threads of different counts to form stripe or check pattern. (iii) has a width ranging from 90 cms to 140 cms (inclusive of selvedges) (iv) has a length ranging from 5 metres to 8.5 metres and (v) is commonly known by that name.
3.	Tie & Dye Saree and material	Tie and Dye fabrics are made by dyeing the yarn used in manufacture of fabrics in different colours by tying the yarn in knots separately for each colour both weft-wise and warp-wise or either and is manufactured from any fibre or in combination of fibres including silk.
4.	Dhoti	Dhoti is a grey or bleached cloth of plain weave woven with border with extra warp in the border which is also jointly characterised by the following :— (i) is made from any natural or man-made fibre or in any combination thereof; (ii) contains white or coloured yarn or zari or any other metallic/metallised yarn or a combination of these in its woven borders and/or headings; (iii) has a width ranging from 70 cms to 140 cms (inclusive of selvedges) (iv) has a length varying from 1.5 metres to 5.0 metres; and (v) is commonly known by that name. (a) Nothing in this direction will apply to Dhoties made out of 100% synthetic fibre i.e. Polyester, Nylon yarn etc. or in any combination thereof. (b) Nothing in this direction will apply to sarees made in blends or union with more than 45% by weight of man-made fibre/yarn (including viscose rayon) in combination with any natural or man made fibre/yarn. Border may be defined as any pattern different from that of the body of the fabric woven lengthwise close to the selvedges using grey, bleached, mercerised and/or coloured yarn including silk, art silk, zari or any other metallic/metallised yarn. Explanation I : Extra warp may be defined as the group of warp ends which are used for obtaining design effect, without taking part in forming the ground or body of the fabric. The extra warp ends may be inserted during weaving by employing additional healds, dobby, jacquard or by any means or mechanism.

Sl. No.	Item	Range reserved for production by Handlooms
5.	Gamcha and Angavastram	(a) Gamcha : Gamcha is a piece of fabric used for covering the upper part of the body and also used for towel purpose as well as for covering the head. It is produced in a loose weave with grey or coloured yarn or in combination of both, made only in cotton which is also jointly characterised by the following : (i) has a width ranging from 70 cms to 95 cms; and (ii) has a length varying from 1 metre to 1.82 metres. (b) Angavastram : Angavastram is a grey or bleached cloth of plain weave with border with extra warp in the borders which is also jointly characterised by the following :— (i) is manufactured from any natural fibre including silk (except spun silk) or any man-made fibre or in any combination thereof; (ii) contains white or coloured yarn or zari or any other metallic/metallised yarn or combination of these in its border or headings. (iii) has a width ranging from 70 cms to 100 cms (inclusive of selvedges) (iv) has a length varying from 1.5 metres to 3.00 metres; and (v) is commonly known by that name.
6.	Lungi	Lungi is a plain woven cloth using dyed yarn with check pattern in pieces which is also jointly characterised by the following :— (i) is manufactured from any natural fibre including silk (except spun silk) or man-made fibre or in any combination thereof; (ii) may or may not contain borders; (iii) has a width ranging from 70 cms to 140 cms; (iv) has a length varying from 1.5 metres or 2.5 metres in pieces; and (v) is commonly known by different names like lungies-sarongs, kallies, mootus, backhkanas and pachhdi. Nothing in this direction will apply to Lungi made-out of 100% synthetic fibre i.e., Polyster, Nylon yarn etc. or in any combination thereof.
7.	Shirtings	Shirting is a fabric made wholly of cotton and woven out of grey or coloured yarn in check pattern which is also jointly characterised by the following:— (i) produced in running lengths; and (ii) has a width varying from 70 cms to 130 cms.
8.	Crepe Fabrics	Crepe is a fabric produced by highly twisted cotton yarn in warp or weft or both or in combination with normal twisted yarn which is also jointly characterised by the following : — (i) is produced in running lengths; (ii) is characterised by a crinkled, puckered or pebly surface; (iii) is produced in grey or bleached or coloured fom; and (iv) has a width varying fom 70 cms to 130 cms.
9.	Towels	A towel is a piece of fabric woven in plain mat, twill, honey-comb huckaback or a combination of these weave with borders or headings which is also jointly characterised by the following :— (i) is made of cotton or blends of cotton with any other fibre; (ii) are made in different dimensions; (iii) may be white or coloured; and (iv) may contain decorative designs when produced on jacquard; (v) Towels with mat weave is commonly known as Erazha Throrthu in Kerala and Erazha Thundu in Tamil Nadu.
10.	Khes, Bed Sheet, Bed Cover, Counter Pane & Furnishings including (Tapestry)	(a) Khes Khes is a piece of cloth woven either in grey or bleached or coloured yarn in plain or stripes or check designs in double cloth weave with counts ranging from 2/17s to 2/22s in warp and 8s to 12s in weft which is also jointly characterised by the following :— (i) is manufactured wholly from cotton or art silk or combination thereof; (ii) has a width ranging from 75 cms to 225 cms; (iii) has a length ranging from 1.50 metres to 2.8 metres and (iv) is commonly known by that name. (b) Bed Sheet Bed Sheet is a piece of cloth woven with coloured yarn in the border lengthwise and widthwise and which may be used on a bed and includes sheeting which is also jointly characterised by the following:— (i) is manufactured wholly from cotton or art silk or in combination thereof; (ii) is of any weave including satin, a combination of weaves with or without dobby or jacquard; (iii) has a width ranging from 110 cms to 155 cms; (iv) has a length ranging from 1.5 metres to 2.8 metres; and (v) is commonly known by that name. (c) Bed Cover is a piece of cloth woven in grey or bleached or coloured yarn with or without checks or in floral or in geometrical designs with woven borders and/or headings having a decorative or coloured effect used as outer covering of a bed when not in use, which is also jointly characterised by the following :— (i) is manufactured wholly from cotton or art silk or in combination thereof; (ii) is of any weave including satin or a combination of weaves with or without dobby or jacquards; (iii) has a width ranging from 75 cms to 225 cms; (iv) has a length varying from 1.5 metres to 2.8 metres; and (v) is commonly known by that name. (d) Counter Pane Counter pane is a piece of cloth woven either in grey or bleached or coloured yarn with or without stripes or in checks or in floral or in geometrical designs with woven borders and/or headings woven in raised figures and used as outer covering of bed, which is also jointly characterised by the following:— (i) is manufactured wholly from cotton or art silk or in combination thereof; (ii) it may be of any weave including satin or a combination of weaves with or without dobby or jacquards (iii) has a width ranging from 75 cms to 225 cms; (iv) has a length varying from 1.50 metres to 2.8 metres and (v) is commonly known by that name. It is also known as "Candle wick" in some areas.

Sl. No.	Item	Range reserved for production by Handlooms
		(e) Furnishings (including tapestry)
		Furnishings (including tapestry) is a piece of cloth woven either in grey or bleached or coloured yarn woven in double cloth weave or pique weave, which is also jointly characterised by the following : (i) is manufactured wholly from cotton or art silk or in combination thereof; (ii) has a width ranging from 75 cms to 225 cms; (iii) is produced in running lengths; and (iv) is used for furnishing puprposes.
11.	Table Cloth Table Mat & Napkins;	They may either be woven by using bleached or dyed yarn with any woven pattern and manufactured wholly from cotton or art silk of in combination thereof, which is also jointly characterised by the following : (i) are made in different dimensions; (ii) may or may not have firinges; (iii) has woven borders on all the four sides; and (iv) are commonly known by different names like Table Cloth, Table Mat and Napkin.
12.	Duster and Basta	Duster is a piece of cloth woven out of coarse yarn not exceeding 10s count (including resultant count upto 10s) in plain or twill weave which is also jointly characterised by the following :— (i) is made wholly of cotton; (ii) may or may not have borders on all sides; (iii) is made in different sizes and may be in running lengths; and (iv) is used for mopping or for making Basta.
13.	Chaddar	Chaddar means any piece of cloth used for covering the body like shawl, woven with grey, bleached or coloured cotton or blended yarn which is also jointly characterised by the following :— (i) it is woven with check or striped pattern. This will also include Mekhala or Phanek Chaddar produced with ornamented designs having border and cross border made in North East India.
14.	Jamakkalam Durry or Durret	It is a piece of fabric used as floor covering as durry or durrent which is also jointly charactrerised by the following :— (i) it is produced using very coarse yarn of resultant counts ranging from 4s to 12s both in warp and weft. (ii) is woven in plain weave or twill weave with their modification or in combination of both plain and twill weave or in technique of velvet weaving or chenille technique; (iii) is produced in grey or bleached or dyed yarn of cotton or art silk or in combination with woollen yarn. It is also produced in Mono colour; (iv) it may or may not contain extra warp or extra weft figurings; (v) is characterised by its thick selvedges obtained by the use of thick twine as selvedge ends. (vi) is made in different sizes and is commonly known by different names in different areas, such as Jamakkalam durry, durret etc.
15.	Bukram Cloth	Bukaram cloth is a piece of cloth woven out of coarse yarn used as a padding or lining material for collars of shirts, coats etc., which is also jointly characterised by the following :— (i) it is made from cotton, wool, jute or in blends; and (ii) it is produced in counts of 8s to 12s both in warp and weft.
16.	Mashru Cloth	Mashru cloth is a type of cloth in satin weave with silk or rayon warp and cotton weft and having the characteristics of coloured stripes.
17.	Low reed pick cloth	All low reed pick cloth in cotton with the following joint characteristics: (i) Cloth in group III with reeds and picks less than 36 and 32 respectively; (ii) Cloth in groups IV, V and VI, with reeds and picks less than 40 and 36 respectively; (iii) Cloth in group VII and above, with reeds and picks less than 44 and 40 respectively. (iv) nothing in this direction shall apply to:— (a) Dhotics and sarees; (b)Sucles; (c) Mosquito netting cloth (d) leno cloth (e) mesh cloth (f) Dyed and printed cloth and (g) coated fabrics. Explanation I The expression group or groups mentioned above has reference to the cloth group or groups specified in the Schedule given below: Explanation II The expression reeds and picks shall refer to ends per inch and picks per inch respectively;

SCHEDULE

Group	Basic Count Warp	Basic Count Weft	Permissible count Warp	Permissible count Weft
I	14	10	9–14	9–12
II	14	14	13–16	13–16
I II	20	20	17–21	17–24
IV	22	30	22–25	
V	30	30	26–36	26–34
VI	30	40	35–42	35–42
VII	40	40	35–42	35–42

Sl. No.	Item	Range reserved for production by Handlooms
*	Silk	(A) All silk sarees made out of any material having more than 25% of pure silk by weight in its contents or when in combination with other fibres with Border/Pallav and with or without extra warp or extra weft in Border/Pallav or any where in the body of the fabrics which is jointly characterised by the following :—
		(i) is characterised by its woven borders and/or heading containing grey or bleached or coloured yarn or zari or any other metallic/metallised yarn or a combination of these. (ii) has width ranging between 70 cms to 140 cms (inclusive of selvedges) (iii) has a length ranging from 2.5 metres to 9.5 metres. B. All silk dhotics made out of any material having more than 25% of pure silk by weight in its contents or when in combination with other fibres with border with or without extra warp or extra weft in the Border/Heading or any where in the body of the fabrics which is jointly characterised by the following:— (i) contains grey or bleached or coloured yarn or zari or any other metallic/metallised yarn or combination of these in its woven border and/or headings. (ii) has width ranging from 70 cms to 140 cms (inclusive or selvedges), (iii) has a length varying from 1.5 metres to 5.0 metres.

Sl. No.	Item	Range reserved for production by Handlooms
	Note:—	(a) Nothing in this direction will apply to georgette, chiffon and crepe sarees and dhoties when produced using unbleached (grey) silk yarn in body of the fabric with or without extra warp and/or extra weft in the Border/Pallav or any where in the body of the fabric with zari/metallic yarn or any coloured yarn of any fibre used only in extra warp or extra weft in the fabric including Border/Pallav. (b) Nothing in this direction will apply to Sarees and Dhoties when produced using spun silk. Border: May be defined as any pattern different from that of the body of the fabric woven length wise close to the selvedges using grey, bleached, mercerised end/or coloured yarn including silk, art silk, or any other metallic/metallised yarn. Heading/Cross Border/Pallav can be defined as any pattern different from that of the body of the fabric woven width wise with grey, bleached, mercerised or coloured yarn including Silk, art silk, zari or any other metallic/metallised yarn. Explanation Extra warp or extra weft may be defined as the group of warp ends weft pick which are used for obtaining design effect, without taking part in forming the ground or body of the fabric. The extra warp ends/extra weft picks may be inserted during weaving by employing additional healds, dobby jacquard or by any means or mechanism.
19.	Kambal or Kamblies	Woollen kambal or kambolles is a thick fabric made of wool with fibrous surface produced by milling and raising which is also jointly characterised by the following:— (i) wollen kambal or kamblies using hand spun, mill spun, worsted woollen or in combination with any other blended yarn in plain or check desings; (ii) it is produced using the wool of average 34 micron and coarser with finished weight in range 300-450 gms/sq. metres. (iii) Nothing in this direction will include kamblies made of shoddy woollen yarn.
20.	Barrack Blankets	Barrack blanket is a thick fabric made of woollen yarn of average 34 micron or coarser with fibrous surface produced by milling and raising which is also jointly characterised by the following:— (i) Woollen blankets using hand spun, mill spun, woollen yarn from natural grey/black wool or combination of this wool with other fibres. (ii) It is produced in any size and in any weave. (iii) nothing in this direction shall apply to barrack blankets made out of shoddy wollen yarn.
21.	Shawl, Loi, Mufflers Pankhi etc.	Shawl is a piece of cloth woven from worsted or wollen or chasmillon or pashmina or any other fibre which is used by ladies or gents for covering their bodies/worn over the shoulders without any tailoring process which is also jointly characterised by the following:— (i) woven with design with or without extra weft using any fibre; (ii) using any type of woollen yarn, worsted yarn or blended yarn or in combination thereof; (iii) it is woven with any count of yarn; (iv) It is woven in any length, width and weight; and (v) is commonly known by that name. The term shawl also includes Loi, Pankhi as well as mufflers. It will also include traditional shawls like Kulu, Kinnauri, Kani, Pashmina, Dhori, Lirancha (Tibetan) Scarf, etc.
22.	Woollen Tweed	It is a piece of fabric woven by 100% pure woollen yarn for making coats, jackets, and dress material is also jointly characterised by the following:— (i) It is produced with 7 Nm to 9 Nm count in warp and weft. (ii) It is produced in any length and width; (iii) It is produced in checks or stripe designs; and (iv) It is produced in twill weave.

[No. DCH/ENP/1(2)/86]

C.D. CHEEMA, Jt. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1986